RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 15 अंक : 183 28 सितम्बर 2020 मूल्य : 20/-

रोमन सैनी

पूर्व आईएएस

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाली विश्व की 6वीं बड़ी 11 हजार करोड़ की ऑनलाइन एज्यूकेशन अनअकेडमी के सीईओ एवं आईपीएल कॉ-स्पॉनशर ।

निर्मल गहलोत

उत्कर्ष संस्थापक

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाली भारत की नंबर 1 ऑनलाईन क्लासेज 15 लाख स्कूली स्टूडेंट्स को फ्री कोचिंग प्रदान करने वाले करोड़ों रुपये का दान शिक्षा एवं सामाजिक कार्यो हेतु करने वाले भामाशाह

लख लख बधाईयां

अखिल भारतीय उर्दू शिक्षक संघ
राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष
श्रीमती सीमा भाटी

जोधपुर डिस्कॉम के एडिशनल
चीफ इंजी. के पद पर प्रमोट
प्रमोद टाक

ग्राम पंचायत गोलासनी जोधपुर में
निर्विरोध निर्वाचित वार्ड पंच
सूरजमल सोलंकी

ग्राम पंचायत गोलासनी जोधपुर में
निर्विरोध निर्वाचित वार्ड पंच
प्रमोद सांखला

ग्राम पंचायत गोलासनी जोधपुर में
निर्विरोध निर्वाचित वार्ड पंच
हेमसिंह गहलोत

ग्राम पंचायत बावड़ी जोधपुर में
निर्विरोध निर्वाचित वार्ड पंच
श्रीमती धन्नी देवड़ा

130 बार रक्तदान करने में
एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड होल्डर
डॉक्टर सुरेश सैनी

ग्राम पंचायत चौखां जोधपुर में
निर्विरोध निर्वाचित वार्ड पंच
जितेन्द्र गहलोत

वरिष्ठ प्रबंधन अजमेर शाखा
AGS Jaipur Region
नीरज कच्छवाहा

पौलेण्ड से एरोप्लेन इंजीनियरिंग में
एम.एस. प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण
सुश्री गिंजन भोली

विनम्र

श्रद्धांजली

कोरोना योद्धा अमर हॉस्पिटल जयपुर के
डॉ. रामकिशन सैनी
अब हमारे बीच नही रहे।
डॉ आर के सैनी कोरोना पीड़ित थे जिसकी वजह से उनका स्वर्गवास हो गया।
ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें,
उनके परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें !

समाज गौरव

श्रीमान राजेंद्र मावर

वरिष्ठ महामंत्री राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा,
पूर्व जेडीए मेंबर आकस्मिक निधन पर माली सैनी संदेश
परिवार ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा
को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें।

आदरणीय

श्री अजित सिंह गहलोत

श्री सुमेर स्कूल निदेशक मंडल के उप सचिव और हरिद्वार धर्मशाला के
मनोनीत ट्रस्टी के आकस्मिक निधन पर हम सभी हार्दिक श्रद्धांजलि
अर्पित करते हुए ईश्वर से उनके आत्मा की शांति प्रदान करने की प्रार्थना करते है
ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान दे एवं परिजनों को यह
असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

संपादक की कलम से...

हिंदु संस्कृति अत्यन्त विलक्षण है। हिन्दु संस्कृति में चार वर्ण है। प्रत्येक वर्ण में कई जाति समाज है। प्रत्येक समाज के निर्माता क्रान्तदर्शी ऋषि मुनि हुए है, जिन्होंने जाति समाज के अनुसार सभी को मर्यादित एवं सुसंस्कृत करने का संदेश दिया है। परंतु जो मनुष्य समाज की विधि को छोड़क अपनी इच्छा अनुसार मनमाना आचरण करता है वह न सिद्धि को, न सुखशान्ति को और न परमगति को ही प्राप्त करता है। ऐसा गीता में वर्णन है।

वर्तमान समय में उचित शिक्षा, वातावरण आदि का अभाव होने से, महात्मा फूले के आदर्शो के अनुसार क्या करना चाहिये और क्या नहीं करना चाहिये ? इसे कुछ नई पीढ़ी के लोग जानते भी नहीं और जानना भी नहीं चाहते। जो बुजुर्ग एवं वरिष्ठ समाजजन उन्हें सामाजिक आचार-विचार, व्यवहार बताते है तो उनकी बात न मानकर अपना अस्तित्व अलग बनाकर समाज को कमजोर और छोटे आकार का बनना चाहते है। ऐसा मनमाना आचरण करने से समाज में विघटन की स्थिति पैदा होती है और रिश्तेदारियों में भी तनाव व मनमुटाव पैदा हो रहा है जिससे समाज कमजोर होता है, जो कभी विकास के पथ पर आगे नहीं बढ़ पाता।

माली सैनी संदेश पत्रिका समाज की नव चेतना का आधार है। संपूर्ण समाज को एक सूत्र में पिरोने वाली यह पत्रिका मानस पटल को गौरवान्वित एवं मार्ग प्रशस्त करने वाली सफलता पूर्वक अपने प्रकाशन से समाज को एक नई दिशा एवं नये आयाम एवं विचार विमर्श प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

समाज के सभी वर्गो के सहयोग से पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। समाज के अनेकों संस्थाओं द्वारा समय समय पर समाज हितार्थ कार्य किये जा रहे है। समाज में राजनिति के क्षेत्र में भी जागरूकता आई है लेकिन हमारी जनसंख्या के अनुरूप यह बहुत कम है। कुछ स्वार्थी समाज पदाधिकारियों के कारण समाज में एकजुटता नहीं हो पा रही है हमारा प्रयास जनजागरण से समाज में एकजुटता लाना है तथा समाज को नई उंचाईयों तक पहुंचाना है। यह तभी सफल होगा जब हम सब मिलकर इस और कार्य करें।समाज को नवस्वरूप प्रदान करने में, जन-जन तक पत्रिका को पहुंचाने के लिए पत्रिका परिवार लगा हुआ है। वर्तमान समय में समाज की राष्ट्रीय धरोहर पत्रिका बनकर हमारे समाज का प्रतिनिधित्व कर रही है।

समाज की विभिन्न गतिविधियां सामुहिक विवाह, समाज उत्थान, युवक-युवति परिचय सम्मेलन, कैरियर कांउसिंलिग सेमिनार, शिक्षा संबधी नवीन जानकारियाँ जन-जन तक पहुंचाने का दायित्व निभा रही हैं । इसके साथ ही एक सामज एक कार्ड योजना के तहत समाज के मास्टर डेटा बेस हेतु प्रिविलेज कार्ड योजना के माध्यम से देश विदेश में बसें करोड़ों समाज बंधुओं को परस्पर सामाजिक, सांस्कृति, राजनीतिक, व्यवसायिक रूप से जोड़ने का कार्य भी हमारे द्वारा किया जा रहा है।

माली सैनी संदेश समाज को पुष्ट करने के लिए एक मजबूत संगठन बनाने की प्रेरणा, उसे आगे बढ़ने की भावना एवं समाजहित में रचनात्मक कार्य करने की सजगता आत्मविश्वास, एक दूसरे के प्रति प्रेम, समर्पण व एक सूत्र में पिराने का कार्य कर रही है और इसे विज्ञान के युग में माली सैनी समाज की प्रथम ई-पत्रिका का भी गौरव हमें प्राप्त हुआ है। जिसके लिए हम आपके आभारी है।

समाज संगठन में पत्रिका का सहयोग...

मनीष गहलोत
संपादक

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

पूर्व सभापति स्वर्गीय कृपाराम सोलंकी की याद में युवाओं ने दिया 843 यूनिट रक्त

नागौर। संत शिरोमणि श्रीलिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा व अनमोल मुस्कान सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। नगर परिषद के पूर्व सभापति स्वर्गीय कृपाराम सोलंकी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर यह रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान हनुमान बाग परिसर में आयोजित इस शिविर में 843 रक्त संग्रहित हुआ। इसमें 240 नागौर और 603 यूनिट परबतसर में एकत्रित हुआ। शिविर के प्रारंभ होने के साथ ही इस शिविर में युवा बंधुओं का उत्साह नजर आया। सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान हनुमान बाग ,चेनार रोड़ के परिसर में आयोजित यह शिविर सवेरे 9 बजे से प्रारंभ हुआ ।

शिविर का प्रारंभ संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज के पूजन वंदन से तथा पूर्व सभापति सोलंकी को पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। कार्यक्रम में डीडवाना के विधायक चेतन डूडी ने शिविर के आयोजकों को साधुवाद देते हुए इस प्रकार के आयोजन नियमितता के साथ करने का आग्रह किया । कार्यक्रम में सैनिक क्षत्रिय माली समाज के अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार , शहर माली समाज के अध्यक्ष प्रेमसुख सांखला, कृपारामजी गहलोत, कृपाराम भाटी, पुखराज सांखला, बालकिशन भाटी, अमरपुरा संस्थान के कोषाध्यक्ष कमल भाटी, सदस्य धर्मेन्द्र सोलंकी, हनुमान बांगड़ा, मोतीलाल चंदेल, खिंवसर के जगदीश कच्छावा, पूर्व पालिका अध्यक्ष मनोहर सिंह राठौड़, पूर्व उपसभापति रूपसिंह पंवार, इस्लामुद्दीन पठान , चेनार सरपंच योगेंद्र सोलंकी, लोकेश टाक भी युवाओं का उत्साह वर्धन करने के निमित्त उपस्थित थे।

शिविर में अनमोल मुस्कान सेवा संस्थान के प्रकाश तंवर, विक्रम कच्छावा, पन्नालाल सोलंकी, सोनू टाक, गौरव भाटी सहित मांगीलाल गहलोत, रूपचंद टाक, टीकमचंद कच्छावा, राधेश्याम टाक, राजेश सांखला, कानाराम सांखला, हरिकिशन टाक, रामनिवास गहलोत, धर्मेन्द्र सांखला द्वारा सहयोग किया गया। शिविर में सोलंकी के पुत्र प्रवीण सोलंकी, दीपक गहलोत, प्रदीप भाटी, सुनील टाक, अश्विन अरोड़ा, संजय पारीक, कुलदीप बिश्नोई, गौतम सोलंकी, धनराज सेन, मुकेश चांगरा, कमल पंवार, महेंद्र पंवार रातंगा जायल ने स्वैच्छिक रक्तदान करके मानव सेवा में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में जवाहरलाल नेहरू जिला चिकित्सालय की ब्लड बैंक प्रभारी डॉ सुनीता आर्य के नेतृत्व में रामपाल गहलोत, धर्मवीर सिंह ने तथा उम्मेद हॉस्पिटल, जोधपुर व प्रतिष्ठा ब्लड बैंक, जयपुर के दल ने रक्त संग्रहण का कार्य किया। कार्यक्रम में युवा स्वैच्छिक रक्तदाताओं द्वारा नागौर ब्लड बैंक के लिए 71, उम्मेद अस्पताल जोधपुर ब्लड बैंक के लिए 57 व जयपुर ब्लड बैंक के लिए 72 रक्त यूनिट प्रदान किया ।

परबतसर। लॉयन्स क्लब मकराना के तत्वावधान में शुक्रवार को सैनी नवयुवक मण्डल परबतसर के सहयोग से फूल मालियान छात्रावास परबतसर में स्व. कृपाराम सोलंकी, पूर्व सभापति नगर परिषद नागौर की प्रथम पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्व. कृपाराम सोलंकी की धर्मपत्नी जंवरी देवी सोलंकी थी। उनके पुत्र अखिलेश सोलंकी, कृपाराम के बड़े भाई रामदीन सोलंकी, सुखदेव सोलंकी ने भी शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

शिविर प्रातः 8:15 बजे से प्रारम्भ हो गया। रक्त संग्रहण करने के लिए जनाना हॉस्पिटल अजमेर, जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर, सवाई मानसिंह चिकित्सालय जयपुर, प्रतिष्ठा ब्लड बैंक जयपुर, गुरुकुल ब्लड बैंक जयपुर की टीमों द्वारा किया गया। सुबह से ही रक्तदाताओं का रक्तदान के प्रति उत्साह बना हुआ था। रक्तदान के लिए परबतसर सहित मकराना, डीडवाना, नावां, किशनगढ़, बड़ू, कालवा, बोरावड़, नागौर, रियांबड़ी, गच्छीपुरा, कुचामन सहित कई गांवों से बड़ी संख्या में रक्तदाता रक्तदान के लिए उपस्थित हुए। रक्तदाताओं की बड़ी संख्या को देखते हुए शाम 5 बजे तक रक्तदान चलता रहा। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी रक्तदान किया। शिविर में कुल 603 यूनिट रिकार्ड रक्तदान हुआ। इससे पूर्व कार्यक्रम में लॉयन्स क्लब मकराना के तत्वावधान में स्वर्गीय कृपाराम जी धर्मपत्नी का शॉल ओढ़ाकर एवं सम्मान पत्र भेंट कर अभिनन्दन किया। शिविर में माली समाज के साथ-साथ, मुस्लिम समाज, माहेश्वरी युवा संगठन, युवा हिन्दू गौ रक्षा समिति, मकराना के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, रक्तदाता, समाज प्रतिनिधि उपस्थित हुए। लायन्स क्लब के सदस्यों ने सुबह से ही शिविर की व्यवस्थाओं को संभाल रखा था। इस दौरान लायन्स क्लब मकराना के अध्यक्ष महावीर पारीक, सचिव सुरेन्द्र रांदड़, कोषाध्यक्ष रणजीत सिंह राजपुरोहित, पूर्व अध्यक्ष प्रेम मुरावतिया, सदस्य मिथिलेश मारू, लक्ष्मण बुल्डक, रामकरण, राधाकिशन टाक, शंकरलाल सोलंकी, विमल शर्मा, राजू रांदड़, सुरेश सोनी, रवि झंवर, तेजपाल बागड़ी, कमल मानधनिया, माधुरी मानधनिया, युवक मंडल के अध्यक्ष अशोक मारोठिया, महासचिव लोकेश मालाकार, पूर्व यूथ कांग्रेस गणेश सोलंकी, पूर्व नवयुवक मंडल अध्यक्ष बिरदीचंद तवर, मुकेश तुन्दवाल, अध्यक्ष मनीष, पांचूराम गिंठाला, अंकित तंवर आदि मौजूद थे।

शिक्षक दिवस पर विशेष

गोरधन लाल सैनी ने दी समाज को नई दिशा, सेवानिवृत्ति पर मिले रु.22 लाख शिक्षक ने गांव और स्कूल के विकास में लगाए

अपनों और गांव व समाज के लिए बने मिसाल, भामाशाह की हर कोई कर रहा है सराहना

लादड़िया लाड़नू। शिक्षक दिवस पर हर जगह शिक्षकों का सम्मान हुआ है। इसी अवसर पर हम आपको लादड़िया के सेवानिवृत शिक्षक गोरधनलाल सैनी से मिलाते हैं जिन्होंने नवंबर 2019 में रिटायरमेंट के बाद मिले 22 लाख रुपए दान कर दिए। सैनी ने समाज, गांव और परिवार को लेकर अनूठा उदाहरण पेश किया। सैनी ने सेवा के दौरान भी विद्यालय में भामाशाह की तरह कार्य किया। आर्थिक रुप से कमजोर बच्चों की हमेशा मदद की और सेवानिवृति के बाद मिली सरकारी राशि को समाज, गांव के विकास के लिए लगा दिया। करीब 22 लाख की राशि खर्च कर चुके सैनी का कहना है कि लोगों की सेवा और गांव का विकास करना उनका बचपन से ही सपना था जो पूरा हो गया।

1984 में सरकारी शिक्षक के रुप में नियुक्ति मिली। इस बाद से ही उन्होंने सेवाकार्य शुरू कर दिए थे। नवंबर 2019 में सैनी को इस नौकरी से सेवानिवृति मिल गई। इस दौरान उन्होंने 22 लाख रुपए समाज विकास के लिए लगा दिए। सेवानिवृत्त सैनी ने जो पैसा निर्माण के लिए दिया था, वो निर्माण कार्य अब पूरे हो चुके हैं।

- **भाई-बहन और बेटियों को भी दिए एक-एक लाख रुपए, स्कूल में भी साढ़े तीन लाख रुपए से बनवाया है सांस्कृतिक मंच :**

आमतौर पर धन दौलत को लेकर कई परिवारों के आपसी झगड़े आदि मामलों में प्रकरण सामने आते है। मगर शिक्षक सैनी ने अपनी सेवानिवृति की राशि परिवार में भाईयों बहनों व बेटियों को भेंट करते हुए समाज व ग्राम विकास में समर्पित कर प्रदेश में प्रेम व विकास का उदाहरण प्रस्तुत किया है। शिक्षक की इस बात को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है। संभवत यह नागौर ही नहीं प्रदेश में पहला उदाहरण है जिसमें किसी सेवानिवृत कर्मचारी ने अपना धन इस तरह खर्च किया हो। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लादड़िया के प्रधानाचार्य बजरंगसिंह राठौड़ ने बताया कि सैनी पांच नवंबर 2019 को सेवानिवृत हुए थे।

इस दौरान उन्होंने गांव की स्कूल में 3.50 लाख की लागत से सांस्कृतिक मंच का निर्माण करवाया। वहीं गांव के सार्वजनिक चौक में 3.25 लाख की लागत से रंगमंच का निर्माण करवाया जो निर्माण काम अब पूरा हो गया है। वहीं माली समाज के लिए समाज भवन निर्माण के लिए भी 2.50 लाख रुपए की राशि भेंट की। वहीं शिक्षक सैनी ने सेवानिवृति के मौके पर तीन लाख रुपए अपनी बहनो, दो लाख भाईयों व तीन लाख रुपए बेटियों को प्रदान कर अनोखा उदाहरण पेश किया।

- **विद्यालय में हमेशा रहे सक्रिय, करते थे सहयोग :** शिक्षक सैनी विद्यालय में कार्य करते समय विद्यालय विकास व नामांकन आदि बढ़ाने सहित विद्यालयी गतिविधियों को लेकर सदैव तत्पर रहते थे। वहीं आर्थिक स्थिति से कमजोर विद्यार्थियों को भी कभी कमजोरी महसूस नहीं होने दी तथा हमेशा सहयोग करते रहे। ऐसे में विद्यार्थियों के लिए भी शिक्षक सैनी चेहते बने हुए है।
- **प्रतिभागी विद्यार्थियों को देते रहे पुरस्कार :** जानकारी मिली कि शिक्षक के रूप में कार्य करते समय विद्यालय विकास व नामांकन आदि बढ़ाने सहित विद्यालयी गतिविधियों को लेकर सदैव आगे रहते है। उन्होंने विद्यालय विकास के लिए भी धन राशि भेंट की तथा हमेशा आर्थिक स्थिति से पिछड़े विद्यार्थियों के लिए सहयोग करते रहे। विद्यार्थियों के परीक्षा में अव्वल रहने पर खुद के खर्चे से पारितोषिक वितरण करने के साथ ही बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए 11-11 हजार तक की राशि बच्चों को भेंट करते। वहीं गांव और समाज विकास के लिए शौचालय निर्माण आदि के लिए राशि भेंट की। शिक्षक सैनी को लोग अध्यापक के साथ-साथ भामाशाह के रूप में भी जानते है। शिक्षक द्वारा ऐसा सामाजिक कार्य किए जाने पर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है। हर कोई शिक्षक की सराहना कर रहा है।

समाज की अनेकों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने गोरधन सैनी के सेवा भावी भामाशाह के रूप मे किए गए अनूठे उत्कृष्ट कार्य के लिए हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनका आभार प्रकट किया है। माली सैनी संदेश परिवार सैनी के इस पुनीत सेवा कार्य के लिए आभार प्रकट करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता है तथा हमें समाज के भामाशाह गोरधन सैनी पर गर्व है जिन्होंने आजीवन मेहनत से कमाई अपनी धनराशि को शिक्षा एवं विकास कार्यो में खर्च कर महात्मा ज्योति बॉ फूले के आदर्श को आत्मसात किया।

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित गीता माली का बालोतरा माली समाज ने किया स्वागत

समाज अनावश्यक खर्चो की बजाय शिक्षा पर दें ध्यान : गीता माली

बालोतरा । माली सैनी अधिकारी कर्मचारी संघ, माली समाज विकास समिति, माली समाज सर्वोदय सोसायटी एवं माली समाज महिला शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2020 प्राप्त राजस्थान की एकमात्र गीता माली का स्वागत अभिनंदन समारोह माली समाज भवन गांधीपुरा में संपन्न हुआ। घर का कामकाज संभालने के साथ ही शिक्षा के प्रति अलख जगाते हुए गीता माली ने घर-घर शिक्षा का महत्व समझाया तथा स्कूल तैयार की। समाज के प्रबुद्वजनों व गणमान्य नागरिकों की ओर से माली का शॉल, साफा, गुलदस्ता, स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सत्कार कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को मोहनलाल गहलोत, गोविंदराम परिहार, पूर्व पार्षद चंपालाल सुंदेशा, सेवानिवृत डिस्कॉम सहायक अभियंता अचलचंद गहलोत, माणकचंद कच्छवाह, मधुकर परिहार, भगवती पंवार, पूजा परिहार ने भी संबोधित किया। गीता माली ने कहा कि राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए राजस्थान से 45 में से चयनित होने वाली वो एकमा शिक्षिका है। माली ने कहा कि महिला का परिवार में आधे से अधिक योगदान होता है। परिवार में भावी पीढी की निर्माता महिला होती है। समाज में बढ रहे अनावश्यक खर्चो पर अंकुश लगाकर शिक्षा पर ध्यान दें।

इस अवसर पर माली समाज विकास संस्थान के अध्यक्ष बाबूलाल गहलोत, खेताराम पंवार, सर्वोदय सोसायटी के अध्यक्ष लूणचंद चौहान, मंगलाराम टाक, सावलचंद पंवार, पंकज सुंदेशा परिहार, माणकचंद गहलोत, वागाराम पंवार, नगर पार्षद सीमा पंवार, संगीता सोलंकी, चंदन कौर, नारयणी परिहार, सुनीता कच्छवाह, शांति पंवार, कंचन गहलोत, प्रिया गहलोत सहित कई लोग मौजूद रहे।

शिक्षक भरत माली ने स्कूल में विकास के कार्य करवाएं, छात्रों को जोड़कर पढ़ाई के लिए किया प्रेरित

सिरोही। वर्तमान में जहां स्वयं के कार्यो को लोगों के सामने प्रस्तुत करने की होड़ मची है। वहीं कुछ सेवाभावी ऐसी भी है जो इससे कोसों दूर है। वे तन-मन-धन से समर्पित रहकर कार्य करने पर विश्वास रखते है। ऐसे ही व्याख्यता है राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वीरवाड़ा में कार्यरत भरत माली।

भरत माली हर समय विद्यालय के प्रति समर्पित रहते है । इतिहास के व्याख्याता माली स्थानीय होने के कारण स्कूल व विद्यार्थियों से जुड़ाव ज्यादा है। माली ने बताया कि मैंने आज तक शिक्षक सम्मान के लिए फार्म नहीं भरा। बकौल माली मेरा एक ही उद्देश्य है कि भगवान ने काम के लिए लायक बनाया है, नि:स्वार्थ रूप से वहीं करता रहूं। सम्मान पाने की कीाी लालसा नहीं रही। उन्होंने भामाशाहों से मिलकर स्कूल विकास के लिए विभिन्न कार्य करवाए। साथ ही, प्रवेशोत्सव के तहत भी विद्यार्थियों को जोड़कर अन्य युवाओं को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। इस बार भामाशाहों से संपर्क कर विद्यालय के बाहर तारबंदी करवाकर पौधरोपण, प्रार्थना सभा स्थल निर्माण व मेहंदी के पौधे लगाने समेत अनेक कार्य करवाए।

पांच साल से इतिहास में शत-प्रतिशत परिणाम

माली ने बताया कि 2015 में मेरा चयन व्याख्याता इतिहास विषय में हुआ था। नियुक्ति वीरवाड़ार स्कूल ही हुई। अब तक इतिहास विषय का शत प्रतिशत परिणाम रहा है। इससे पहले वीरवाड़ा व परलोई में तृतीय श्रेणी शिक्षक के रूप में कार्य किया। वहां पर भी स्कूल विकास व विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए बहुत मेहनत की। माली ने बीएससी जीव विज्ञान, एम ए इतिहास में विश्वविद्यालय में दूसरा सीान, चार बार यूजीसी नेट सलेक्ट, एमएलएसयू उदयपुर से पीएचडी स्कॉलर, दो बार एसीटेंट प्रोफेसर का भी साक्षात्कार दिया है।

बालिकाओं को नि:शुल्क शिक्षा दिलाने का ध्येय

बगड़। कायस्थपुरा में जन्में महेन्द्र शास्त्री ने संस्कृत व्याकरण से आचार्य व शिक्षा शास्त्री की। 1989 में शास्त्री ने निजी विद्यालय की शुरूआत की। जो आर्थिक रूप से कमजोर, बीपीएल, शहीद संतान, दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षण शुल्क में छूट तथा नि:शुल्क शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध करवा रहे है। वर्तमान में आप राउमवि खुड़ाना में कार्यरत है। प्रतिवर्ष पौधारोपण करते है। इसकी बदौलत खुड़ाना स्कूल में सैकड़ों पेड़ पौधे लहलहा रहे है। शास्त्री का पिछले 25 वर्षो से बोर्ड परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। सामाजिक संस्था महात्मा ज्योतिबा फूले विचार मंच तथा प्रीतिदेवी मेमोरियल सोसयटी के प्रधान संरक्षक है।

इच्छाशक्ति और समर्पण भाव से शिक्षक मोहन लाल चौहान ने बदल दी शासकीय स्कूल की तस्वीर

शाहजापुर, म.प्रदेश। क्षेत्र चाहे ग्रामीण हो या शहरी, शासकीय स्कूलों के प्रति रूझान कम होता है और प्राईवेट स्कूलों की चकाचौंध हर किसी को अपनी ओर आर्कषित करती है। लेकिन कुछ शिक्षक ऐसे भी है जिन्होंने अपनी मेहनत और समर्पण भाव से बच्चों का भविष्य बनाने को लगन से न सिर्फ कई बच्चों का भविष्य बनाया, बल्कि शासकीय स्कूलों के प्रति बनी उनकी धारणा को बदलने में भी अहम भूमिका निभाई है।

हम बात कर रहे है शहर के वरिष्ठ शिक्षक मोहनलाल चौहान की, जो सेवानिवृति के बाद आज भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने विद्यालय पहुंचते है और उनसे सदैव संपर्क में रहते है। साथ ही नई पीढ़ी को कोरोना काल में भी संस्कारों का पाठ पढ़ा रहे है। शहर में रहने वाले शिक्षक मोहनलाल चौहान हाल ही में सेवानिवृत हुए है, लेकिन उनकी सेवा के पिछले 30 साल उनकी कतृव्यनिष्ठा और ग्रामीण विद्यार्थियों को ऊंचे मुकाम तक पहुंचाने का उनका जुनून उनकी कहानी बयां करता है। चौहान जब शासकीय स्कूल में शिक्षक के तौर पर पदस्थ हुए थे तब शिक्षा के क्षेत्र में खास बदलाव नहीं हुए थे और ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का स्तर भी निम्न था। यही नहीं बारिश के दिनों में अपने स्कूल तक पहुंचना श्री चौहान के लिए एवरेस्ट से कम नहीं था। बावजूद इसके वे प्रतिदिन बिना अवकाश के विद्यालय पहुंचते थे।

आज भी उनके पढ़ाए विद्यार्थी उच्च पदों पर आसीन होने के बाद भी उनसे मिलने यहां पहुंचते है। तो श्री चौहान सेवानिवृत होने के बाद भी स्कूल पहुंचकर उनसे मिलते है ताकि उनके द्वारा शुरू किया गया अभियान बिना लक्ष्य के थम न जाएं। यहीं नहीं प्रावि भालूखेड़ा के विद्यार्थी न सिर्फ खुद बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी शासकीय स्कूलों की बदलती तस्वीर की कहानी बयां करते नहीं थकते जो इनकी मेहनत और इनके द्वारा किए गए प्रयासों का ही परिणाम है।

नई पीढ़ी को संस्कारित कर गढ़ रहे भविष्य : सेवानिवृति के बाद भी चौहान के उनके अपने विद्यार्थी तो आशीर्वाद लेने आते ही है। तो वो अपने बच्चों के बच्चों को भी संस्कारों का पाठ पढ़ा रहे है ताकि जैसी मिसाल उन्होंने कायम की है, उसी पंरपरा को उनका परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाते रहे। यहीं वजह है कि कोरोना काल से ही वे अपने पोतों को प्रतिदिन शाम को शिक्षक बन उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी लेते है तो उनकी समस्याओं का भी समाधान करते है।

पथरीले व कीचड़ भरे रास्ते भी नहीं रोक पाए कदम : जिस स्कूल में चौहान ने 30 सालों तक सेवा की, वहां के वर्तमान हालात को देखकर कोई भी अंदाजा नहीं लगा सकता कि इस स्कूल तक पहुंचने के लिए पथरीले और कीचड़ से सने रास्तों से गुत्थम-गुत्था होना पड़ता था। हांलाकि आज गांव की तस्वीर बदल चुकी है, लेकिन मुश्किल भरे दौर में चौहान ने 30 किमी तक साइकिसल से सफर कर बच्चों का भविष्य गढ़ा और उन्हें उच्च पदों पर पहुंचाया ।

सतीश गहलोत ने विडियों तैयार कर ऑनलाइन नि:शुल्क शिक्षा से कर रहे सभी को शिक्षित

आगर मालवा। कोरोना के इस दौर में शिक्षकों की कार्य प्रणाली बदली है। शिक्षकों ने अपने स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों से निरंतर ऑनलाइन माध्यम से संपर्क किया गया और उन्हें विभिन्न तरीकों से नवाचार करते हुए पढ़ाने की कोशिश की गई। कुछ इसी तरह की नई गतिविधियां शेफर्ड स्कूल के संचालक सतीश गहलोत ने भी की है। 1 अप्रैल से लगातार ऑनलाइन नगर के बच्चों गृहणियों एवं व्यवसायियों को नि:शुल्क अंग्रेजी का प्रशिक्षण दिया। साथ ही वीडियों बनाकर वाट्एएप ग्रुप पर बच्चों को प्रशिक्षित किया। नई तकनीक के माध्यम से छोटे छोटे वीडियों रिकॉर्ड कर दी, उनकी भाषण कला को विकसित किया। स्कूल नहीं खुलने की वजह से प्रतिदिन गूगल क्लास रूम पर ऑनलाइन क्लासेज के माध्यम से बच्चों को नियमित क्लास लगाई जा रही है। गहलोत दिव्यांग बच्चों के लिए भी संस्था चलाते है, जहां बच्चों को नि:शुल्क उपकरण दिए है।

सॉफ्टबॉल के कोच स्नेहदीप टाक ने दिव्यांग को शौक देखकर सिखाई तैराकी, अपने खर्च पर आगे पढ़ाया

जोधपुर। 17 साल से तिंवरी ब्लॉक की राउप्रावि डिगाड़ी में सेवाएं देने वाले पीटीआई स्नेहदीप टाक वैसे तो सॉफ्टबॉल में राजस्थान की अंडर 14 के कोच हैं लेकिन उन्होंने दिव्यांग छात्रा के स्वीमिंग की खूबी पहचानी और उसे तैराकी सिखाई। स्नेहदीप ने ही स्कूल की दिव्यांग छात्रा सरोज मेघवाल की आठवीं कक्षा तक की पढ़ाई पूरी होने के बाद खेल में उसकी रुचि देखकर खेतों में बने पानी के हौद में तैरना सिखाया। बच्ची जब हल्का-फुल्का तैरना सीखी तो अपने खर्चे पर जोधपुर लाए और राबामावि राजमहल में भर्ती करवाकर समाज कल्याण विभाग के हॉस्टल में डाला। रोजाना शाम को अपनी गाड़ी से गोशाला ग्राउंड स्थित स्वीमिंग पूल लेकर जाते और स्वीमिंग की बारीकियां सिखाते। नतीजा पिछले वर्ष बोधि इंटरनेशनल स्कूल में पैरा ओलिंपिक सोसायटी राजस्थान की तैराकी प्रतियोगिता में छात्रा ने स्वर्ण पदक जीता। 2018 में उदयपुर में गोल्ड मेडल जीता। टाक ने अपनी ही स्कूल के खिलाड़ियों को सॉफ्टबॉल में तैयार किया और अब तक 6 स्टेट व 5 नेशनल प्लेयर तैयार किए हैं। टाक को शिक्षक दिवस पर होने वाले उन्हें राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्रदान किया जाएगा।

समाज की बालिकाओं/लड़कियों के लिए जयपुर स्थित महिला हॉस्टल

भारतीय शिक्षण सेवा संस्थान द्वारा निर्मित

सावित्रीबाई फुले भवन

जयपुर। भारतीय शिक्षण सेवा संस्थान द्वारा निर्मित सावित्रीबाई फुले भवन का शुभारंभ 29 अगस्त 2016 को हुआ। यह भवन 56-57 मिलाप नगर जयपुरिया हॉस्पिटल के पास टोंक रोड जयपुर अर्थात जयपुर की प्राइम लोकेशन पर स्थित है। यह छात्रावास माली सैनी समाज की बेटिया जो कि जयपुर शहर से बाहर अथवा ग्रामीण क्षेत्रों में रहती हैं और जयपुर आकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहती हैं के लिए समाज के महानुभावों द्वारा बनाया गया है। छात्राओं की सहूलियत का ध्यान रखते हुए भवन में कई प्रकार की सुख सुविधाएं प्रदान की जाती है जो कि इस प्रकार हैं.....

रहवासीय एवं शिक्षा संबंधी व्यवस्था है : उचित कागजी कार्रवाई करने के बाद छात्राओं को एक कमरा दिया जाता है उस कमरे में पलंग कुर्सी टेबल स्टूल अलमारी वाटर कैंपर कूलर आदि दिए जाते हैं। प्रत्येक मंजिल पर वाटर कूलर, वाटर फिल्टर व फ्रिज रखा गया है। भवन के बेसमेंट में लाइब्रेरी व कंप्यूटर लैब की बनाई गई है जहां उचित किताबें, कंप्यूटर व इंटरनेटध्वाईफाई की व्यवस्थाएं की गई हैं। छात्राओं की पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा तीन तरह के अखबार (राजस्थान पत्रिका दैनिक भास्कर व द हिंदू) तथा तीन तरह की सामान्य ज्ञान की मैगजीन आती हैं।

सुरक्षा व्यवस्था : छात्राओं के सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा भवन में उचित जगहों पर सीसीटीवी कैमरा भी लगाए गए हैं। भवन में उचित व्यवस्था एवं सिक्योरिटी के लिए कर्मचारी भी रखे गए हैं (व्यवस्थापक, वार्डन तथा सफाई कर्मचारी)।

भोजन व्यवस्था : छात्राओं के लिए प्रात: चाय नाश्ता दोपहर में भोजन (सब्जी चपाती रायता) शाम के समय चाय बिस्किट तथा रात्रि भोजन (दाल चावल चपाती सलाद) तथा रविवार को स्पेशल डाइट की व्यवस्था है। छात्राओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा हर शुक्रवार मौसमी फल दिया जाता है। सर्दियों में अर्थात साल में 5 महीने हर बुधवार को गाय का दूध व शुद्व देसी घी की जलेबी मेक टू ऑर्डर छात्राओं को दी जाती है। इसके अतिरिक्त वार त्यौहार व्रत आदि में भी संस्था द्वारा छात्राओं के लिए मिठाई और नमकीन की व्यवस्था की जाती है।

इन सभी व्यवस्थाओं के अलावा भी हमारे अध्यक्ष महोदय एवं अन्य पदाधिकारीगणों द्वारा छात्राओं के साथ महीने में एक बार मीटिंग रखी जाती है जिसमें छात्राओं की आवश्यकताओं व परेशानियों के बारे में चर्चा की जाती है और उनका उचित निवारण किया जाता है। इस प्रकार जयपुर जैसे बड़े शहर में समाज की बेटियों को रहने के लिए श्रेष्ठ सुविधाओं से युक्त भवन में घर जैसा माहोल मिलता है जिससे न केपल समाज की बेटियां उनके परिजन भी निश्चंत हो जाते है कि यहां हमारी बेटियों का अच्छे से ख्याल रखा जाता है जिससे उनको पढ़ने में काफी मदद मिलती है। श्रेष्ठ सुविधाओं को प्रदान करने के लिए संस्था के सभी पदाधिकारीगण एवं कर्मचारियों के साथ भवन निर्माण में आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले सभी भामाशाहों का हार्दिक आभार और विशेष रूप से स्वर्गीय माधोसिंह कच्छवाहा जोधपुर निवासी, पूर्व विधायक का अभिनंदन जिन्होंने समाज की बालिकाओं के लिए भूमि उपलब्ध करा भव्य सर्व सुविधा युक्त महिला हॉस्टल बनाया।

देश विदेश मे शेखावाटी की लोक कला को पहचान दिलाने में [redacted] सैनी का रहा है महत्वपूर्ण योगदान

[redacted] कलाकार है जिन्होने अपनी कला की शानदार प्रस्तुति देकर नाम कमाया है ऐसे ही एक लोक कलाकार है लक्ष्मनगढ के चिरंजीलाल सैनी ने जिन्होने शेखावाटी के ढप नृत्य मे बासूरी वादन के जरिये देश विदेश मे अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किये है।

वार्ड 13 मे साधारण परिवार मे जन्मे श्री सैनी ने लक्ष्मनगढ की ढप मंडली के साथ स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रपति भवन तक ढप नृत्य के बीच अपनी सुरीली आवाज मे बासूरी का वादन कर आम आदमी को झूमने पर मजबूर कर देते है हालाकि मौजूदा दौर मे ढप व गिन्दड़ नृत्य के आयोजन औपचारिक बनकर रह गये है श्री सैनी ने फाल्गुन के दिनो मे करीब 5 दशक से बासूरी वादन कर रहे है। श्री सैनी के नेतृत्व मे स्थानीय न्यायालय सीकर जिला कलक्टर कार्यालय लोकसभा अध्यक्ष के सरकारी आवास राष्ट्रपतिभ भवन सहित जयपुर दिल्ली मुम्बई कोलकात्ता आसाम तथा विदेशों मे शेखावाटी की लोक कला की प्रस्तुति दी है श्री सैनी तत्कालिन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के सरकारी आवास तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिह के समय राष्ट्रपति भवन मे लोककला के कार्यक्रमो की प्रस्तुति देकर सम्मानित हो चुके है इनके साथ मंडली मे रामप्रताप सैनी, सुरेन्द्र जोशी, मांगीलाल सैनी, मुखराम जांगिड़, मक्खन खटीक, रामकुमार माली, विश्वनाथ टेलर, घीसाराम माली, बनवारी माली, भेभाराम जाट एवं सत्यनारायण माली जैसे कलाकार थे जिन्होने शेखावाटी की प्रसिद्ध ढप नृत्य की कला को परवान चढाया।

श्री सैनी की कला के ऑड़ियो, वीड़ियो कैसिट व सीड़ी रिलीज हुई है जो आज भी फाल्गुन के महिने मे सुनी जाती है श्री सैनी के बड़े पुत्र एड़वोकेट सत्यनारायण सैनी यहा लक्ष्मनगढ न्यायालय मे प्रैक्टिस करते है तथा सामाजिक कार्यकर्ता है एवं लक्ष्मनगढ नगरपालिका मे पार्षद रह चुके है जबकि इनकी पुत्रवधु श्रमति मिनाक्षी सैनी यहां की बगड़िया स्कूल मे रसायन विज्ञान की व्याख्याता है इनके छोटे पुत्र दिलीप सैनी सरकारी विधालय मे रसायन विज्ञान के व्याख्याता है तथा छोटी पुत्रवधु निजी विद्यालय मे अध्यापिका है। देश विदेश मे शेखावाटी की लोक कला को पहचान दिलाने मे श्री सैनी का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है इनके नेतृत्व मे बनी तत्कालिन ढप मंडली के द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रमो की आज भी कैसिट व सीड़ी मे सुनी जाती है

माली संस्थान, नागौर ने बीसीएमओ कार्यालय को कंप्यूटर व तकनीकी सामग्री दी

नागौर। सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान नागौर द्वारा खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को कंप्यूटर व प्रिंटर प्रदान किया गया। माली संस्थान के अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार के नेतृत्व में यह तकनीकी सामग्री बीसीएमओ डॉ. महेंद्र मीणा को प्रदान की गई। संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा नागौर के कोषाध्यक्ष कमल भाटी, सामाजिक कार्यकर्ता बालकिशन भाटी, डॉ. मनफूल पूनिया, रूपचंद टाक, मांगीलाल गहलोत उपस्थित थे।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता भाटी ने कहा कि नागौर में कोरोना के समय समाज जीवन में कार्य करने वाले अनेक संगठन व महानुभाव धन्यवाद के पात्र हैं। चिकित्सा विभाग भामाशाह व स्वयंसेवी संगठनों के आपसी तालमेल से ही नागौर क्षेत्र में कोरोना का डर अपेक्षाकृत कम दिखाई दिया तथा समन्वित प्रयास से सेवा व सहयोग के अनेक कार्य संपन्न हुए। डॉ. मीणा ने अपने संबोधन में मंगलमय सेवा संस्थान, अमरपुरा संस्थान व माली संस्थान सहित अनेक सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों को इस विभीषिका के अवसर पर चिकित्सा विभाग को प्रदान किए गए सहयोग के निमित्त हार्दिक

आभार ज्ञापित किया। संस्थान अध्यक्ष पंवार ने चिकित्सा विभाग द्वारा समाज को समाज के आग्रह पर संस्थान परिसर को अस्थाई जांच केंद्र, कॉन्टैक्ट सेंटर के रूप में स्वीकृति देने तथा अन्य सेवा कार्य में स्वीकृति देने पर आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कमल भाटी तथा डॉ. मनफूल पूनिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मनोज व्यास ने किया। इस अवसर पर बीसीएमओ ऑफिस के प्रेम प्रकाश पंडित, प्रेम बिस्सा, रामनिवास भाटी, सुरेश गौड व जितेंद्र टाक भी उपस्थित थे।

स्मृति शेष : कर्तव्यनिष्ठ बैंक अधिकारी एवं उत्कृष्ट समाजसेवी

समाज गौरव प्रतापसिंह गहलोत समाज के हजारों युवक युवतियों को बैंक मे नौकरी दिलाने के लिए बैंकिंग क्लासेज बहु प्रतियोगी प्रशिक्षण संस्थान (BPPS) के संस्थापक

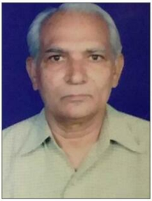

श्रद्वेय बाबूजी चतुर्भुज गहलोत के सुपौत्र पुत्र गुलाब सिंह एवं श्रीमती विद्यादेवी के जयेष्ठ पुत्र के रूप में प्रताप सिंह गहलोत का जन्म 7 अगस्त, 1943 को पैतृक हवेली नागोरियों का बास जोधपुर में हुआ। आपने प्रारंभिक शिक्षा ग्रामीण परिवेश में ग्राम पालड़ी शिवगंज से, मेट्रिक की परीक्षा श्री सुमेर हाई स्कूल से1959 में तत्पश्चात 1967 में बी.ए. की परीक्षा जोधपुर विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण की।

1966 में भारतीय स्टेट बैंक में नोकरी प्राप्त करके 1978 में आप को बैंक अधिकारी की पदोन्नति मिल जाने पर आपने जोधपुर की विभिन्न शाखाओं में कार्य किया। आप बाड़मेर, जालोर, रानी शाखाओं में भिन्न भिन्न गरिमामय पदों पर ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से कार्य कर 2001 में भारतीय स्टेट बैंक से करीब 36 वर्ष कार्य कर सेवानिवृत हुए। सेवा काल में बैंक अधिकारी की जिम्मेदारियों का निर्वाह करते हुए आपने भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ, जयपुर आंचल के क्षेत्रिय सचिव, अखिल भारतीय बैंक अधिकारी महासंघ राजस्थान के प्रदेश संगठन एवं प्रदेश उपाध्यक्ष पदों पर रहते हुए अधिकारियों के सम्मान तथा अधिकारों के लिए दीर्घकाल तक संघर्ष किया।

आापने सेवाकाल के दौरान विभिन्न बैंकों में स्वजाति युवक-युवतियों को रोजगार दिलाने के लिए प्रशिक्षण कक्षाओं के कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार कर 5 मई 1985 को श्री सुमेर स्कूल उ. मा. विद्यालय में प्रथम प्रयास के रूप में प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन आरंभ किया। आपके अथक प्रयासों से बहु प्रतियोगी प्रशिक्षण संस्थान रूप अंकुरित पौधा आज वटवृक्ष का रूप धारण कर सका। इसी के फलस्वरूप आजतक समाज के होनहार, युवक युवतियों का विभिन्न बैंकों में हजारों की संख्या में चयन संभव हो सका।

बैंक काल में अधिकारियों के आवास हेतु एवं उनके बच्चों की शिक्षा सुविधा हेतु सार्वजनिक स्कूल के लिए भूमि न्यूनत्तम राशि पर आंबटित करवाकर आपने शिक्षा के क्षेत्र में अविस्मरणीय कार्य करवायें। श्री वैदिक कन्या पाठशाला में सावित्री बाई फूले महिला महाविद्यालय की स्थापना में भी आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आपने इस संस्था के कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर भी कार्य किया। बाद में आप इस संस्था के व्यवस्थापक पद पर भी रहे। आप सैनिक क्षत्रिय प्याऊ एवं शिक्षा प्रचार संघ तथा माली कर्मचारी कल्याण परिषद् के भी सचिव रहे। आप लायन्स क्लब, उम्मेद क्लब, सवर सुधा, जोधपुर फिल्म सोसाइटी के भी सदस्य थे। इसके साथ ही आप समाज की विभिन्न संस्थाओं यथा माली संस्थान, उम्मेद कन्या पाठशाला समिति, सुमेर स्कूल, भूतर्पूव छात्र संगठन, महात्मा ज्योति बा फूले सेवा संस्थान आदि के आजीवन सदस्य भी रहे।

आपकी सेवाओं से प्रभावित होकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आपको भारत सेवा संस्थान में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान करते हुए वहां प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारियों के प्रभारी की जिम्मेदारी प्रदान की जिसमें रोजना सैकड़ों स्टूडेंट्स प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी करते है तथा सैकड़ों प्रशासनिक अधिकारी भी बनें है। समाज सेवार्थ स्वजातीय युवक युवतियों के रोजगार हेतु उत्कृष्ट सेवाएं देने हेतु दिनांक 1 सितबंर 1991 को माली कर्मचारी कल्याण परिषद् के तत्वावधान में हुए समारोह में आपका अभिनंदन अशोक गहलोत द्वारा किया गया। 13 जुलाई 1996 को स्व सेठ श्री शिवराम सिंह गहलोत की जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर आपका सम्मान राजेन्द्र गहलोत विधायक द्वारा किया गया।1995 में राजस्थान प्रदकश माली सेनी महासभा के पुष्कर सम्मेलन में आपका सम्मान अशोक गहलोत एवं ओ. पी. सैनी आई.ए.एस. द्वारा किया गया। इसके अलावा आपका फालना, बाड़मेर, बालोतरा सहित अनेकों सामाजिक सम्मेलनों में सम्मान किया गया। जोधपुर स्टेडियम गोराधायं के दिवस पर भी आपका समान माननीय न्यायधीश कानसिंह परिहार द्वारा किया गया था। आपका विवाह श्रीमती मीना गहलोत पुत्री ठे. पृथ्वीसिंह रामलाल कच्छवाहा के साथ हुआ आपके परिवार में एक पुत्र अभिषेक एवं पुत्री संघमित्रा है।

प्रताप सिंह गहलोत आकस्मिक निधन दिनांक 18 सितबंर को हुआ। आपके निधन पर समाज की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने श्रद्घांजलि अर्पित की। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मोबाइल से परिजनों से बात कर शोक संतृप्त परिवार को ढ़ाढस बंधाया और दिवगंत आत्मा को चिर शांति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। राज्य सभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने प्रताप सिंह गहलोत के निधन पर दुख जताते हुए उनके उत्कृष्ट कार्यो का उल्लेख किया और उनके द्वारा समाज के हजारों युवक युवतियों को बैंकिंग क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए किए प्रयासों को याद किया।

माली समाज के वरिष्ठ व्यक्तित्व परम आदरणीय श्री प्रतापसिंह जी गहलोत का देवलोकगमन होना समाज के अपूर्णीय क्षति हैं, जिसकों भर पाना असंभव हैं। आप ही के सार्थक प्रयासों व दूरदृष्टि से बहु प्रतियोगी प्रशिक्षण संस्थान, महामंदिर के माध्यम से समाज के हजारों युवाओ को बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार मिला हैं, इसी संस्थान से अभिप्रेरित पूरे भारत वर्ष में समाज के अनेकों संस्थान समाज के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी करवा कर रोजगार उन्मुख करवा रहे हैं। आपकी अन्यन्य सोच, दिव्य दृष्टि व आपके द्वारा किये गए अनुकरणीय कार्य हमेशा अमर रहेंगे । माली सैनी संदेश परिवार ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना करता हैं।

आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के लिए 2 करोड़ की निर्मल आत्मनिर्भर ऋण योजना का शुभारंभ

रू. 50 हजार तक की ऋण योजना, जिसमें समय पर ऋण चुकता करने वालों को नहीं देना होगा ब्याज, पहले दिन ही फार्म हुए समाप्त

जोधपुर । आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल प्रदान करने व आत्मनिर्भर बनाने के लिए रविवार को निर्मल आत्मनिर्भर ऋण योजना का शुभारंभ हुआ। यह योजना पूरी तरह से जन - कल्याण और सेवा-भाव पर आधारित है। इस योजना में शिक्षाविद व समाजसेवी श्री निर्मल गहलोत द्वारा 2 करोड़ की राशि का सहयोग किया है जिसका मानव कल्याण कोष के रूप में उपयोग किया जायेगा। शिक्षाविद व समाजसेवी निर्मल गहलोत ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य कोरोना महामारी व अन्य आर्थिक संकट से प्रभावित लोगों को पुन: आजीविका से जोड़ना व आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत जोधपुर नगर निगम क्षेत्र के मूल निवासी रिक्शा चालक, ठेला चालक, सब्जी विक्रेता, पंचर की दुकान व दैनिक मजदूरी करने वाले जरूरतमंद लोगों को 10, 000 से 50, 000 रुपये का ऋण दिया जाएगा। ऋण की योजना बहुत ही आसान और सुलभ है, इसमें कोई प्रोसेसिंग शुल्क नही होगा, न ही किसी प्रकार की गारंटी की आवश्यकता होगी। इस योजना में आवेदक को मासिक किश्तों में पुनर्भुगतान करना है, जिसमें 5 प्रतिशत का ब्याज देय होगा । सम्पूर्ण किश्तें नियमानुसार समय पर जमा कराने पर ब्याज की राशि भी आवेदक को लौटाई जाएगी। निर्मल आत्मनिर्भर ऋण योजना का शुभारंभ गीता भवन जोधपुर में हुआ, जिसमें समिति के सदस्य घनश्याम ओझा, विनोद सिंघवीं,महेंद्र दवे, पारसमल जैन, अशोक शर्मा, राजेन्द्र राठी, महावीर चौपड़ा, हरीश लोहिया, श्रीमती देवी बिजानी, गौतम बेद,योगेश बिरला, माधवदास वैष्णव, मानसिंह देवड़ा, शंकर मगनानी, सुधांशु टांक, तनसुख पालीवाल, जगदीश पुरोहित, अर्जुनसिंह साँखला, देवीचंद देवड़ा व मिश्रीलाल प्रजापत सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। योजना समिति के माननीय सदस्यों की उपस्थिति और मार्गदर्शन में कार्यालय का उद्गाटन किया गया और योजना संबंधित ब्रोशर व आवेदन पत्र का विमोचन किया गया ।

योजना के फार्म वितरण के पहले दिन ही सभी फार्म हुए समाप्त आवदकोंको दिन भर एक-एक घंटे के अंतराल में अलग-अलग छोटे समूह बनाकर बड़े हश्वल में सोशल डिस्टेसिंग के साथ बिठाकर योजना के बारे में विस्तार से समझाकर आवेदन पत्र वितरित किये गये। योजना बहुत ही आसान और सुलभ है, जिसमें न तो कोई प्रोसेसिंग शुल्क है, न ही किसी प्रकार की गारंटी की आवश्यकता है,इसलिए आज पहले ही दिन आवेदकों की संख्या अप्रत्याशित रूप आ गई गई तथा जितने आवेदन पत्र सोमवार से शुक्रवार तक दिये जाने थे,वे आज पहले दिन ही समाप्त हो गये।

शिक्षाविद् भामाशाह निर्मल गहलोत बनें रेस्पेक्ट इण्डिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। रेस्पेक्ट इंडिया संस्था के द्विवार्षिक चुनाव संपन्न जोधपुर के शिक्षाविद निर्मल गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इस अवसर पर श्री निर्मल गहलोत ने कहा कि हाशिये की जिंदगी में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। वृद्व जीवन और असहाय बच्चों को समुचित सहयोग और संरक्षण हमारी संस्था का बुनियादी आधार है। इस दिशा मे कई रचनात्मक योजनाओं को कार्यान्वित किया जायेगा। इस अवसर पर निर्मल गहलोत ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करते हुए जरूरतमंद महिलाओं को एक हजार सिलाई मशीनें देने की घोषणा की।

नवरात्रा में गरीब बेटियों को 1000 टेबलेट नि:शुल्क देगें निर्मल गहलोत

हाल ही में देखने को मिला कि मैने सरकारी स्कूल के बच्चों को निरूशुल्क ऑनलाइन कोर्स तो उपलब्ध कराने की घोषणा कर दी परंतु कई विद्यार्थियों व खासतौर से बेटियों को मोबाइल/टेबलेट भी उपलब्ध नहीं पाता है। ऐसे मैं उन बच्चियों की मदद के लिए,उन्हें डिजिटल शिक्षा में आगे बढ़ाने के लिए नवरात्रि में उत्कर्ष संस्थान फ्री टेबलेट सहित ऑश्वनलाइन कोर्स देगा । राजस्थान की वे बेटियाँ जिन्होंने कक्षा 10 में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये है उनकी प्रविष्टियां ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से मंगवाकर फिर ऑनलाइन लॉटरी द्वारा चयन करके उन्हें कुरियर के माध्यम से टेबलेट उपहार स्वरूप भेजा जायेगा। जिससे वे कक्षा 11 व उसके बाद की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अश्वनलाइन माध्यम से भी प्राप्त कर सके।

स्पष्टीकरण : यह उत्कर्ष की तरफ से ही राजस्थान की बेटियों के लिए योजना है। उत्कर्ष पहले भी सरकारी स्कूलों में प्याऊ का निर्माण, कम्प्यूटर वितरण, शारीरिक बौद्धिक प्रतियोगिता को प्रायोजित करना इत्यादि कई कार्य करवा चुका है।

विशेष : ये टेबलेट नामी कंपनी के और अच्छी गुणवत्ता के होंगे यह भी सुनिश्चित किया जा चुका है।

शिक्षाविद भामाशाह निर्मल जी गहलोत की अनुपम सौगात जोधपुर संभाग के सरकारी स्कूलों के 15 लाख से अधिक विद्यार्थी अब ले सकेंगे ऑन लाइन नि:शुल्क डिजिटल शिक्षा

जोधपुर। डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में पूरे भारत में विख्यात 'उत्कर्ष क्लासेस' ने जोधपुर संभाग के सरकारी स्कूलों के 'कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों' को फ्री ऑनलाइन कोर्स देने की घोषणा की है। 18 सितम्बर को जोधपुर के संभागीय आयुक्त आईएएस डॉ.समित शर्मा, शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक श्री प्रेमचंद सांखला, उत्कर्ष के सीईओ निर्मल गहलोत व को-फाउंडर तरूण गहलोत इत्यादि ने संभागीय आयुक्त कार्यालय में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह सूचना दी।

कौन होंगे लाभान्वित ?

जोधपुर संभाग के 6 जिलों (जोधपुर,जैसलमेर, बाड़मेर, पाली, जालौर, सिरोही) के कक्षा 6 से 12 के लगभग 15 लाख से अधिक विद्यार्थी।

कैसे मिलेगा फ्री ऑनलाइन कोर्स ?

यह ऑनलाइन कोर्स उत्कर्ष के एंड्रायड व आईओएस दोनों प्रकार के मोबाइल एप पर उपलब्ध है। इसे नि: शुल्क प्राप्त करने के लिए निम्न प्रक्रिया अपनायें -

स्टेप- 1

सर्वप्रथम गूगल प्ले स्टोर या एप स्टोर से Utkarsh App को इंस्टाल करके उसमें लॉगिन करना/कराना है। उत्कर्ष एप को इंस्टाल करने के लिए सीधे इस लिंक को भी क्लिक कर सकते हैं -

CLICK HERE

https://utkarsh-onelink-me/Lc5j/2b6f5416

एप को इंस्टाल करके अपनी डिटेल डालकर एप में लॉगिन कर लिया हो तो अब स्अेप 2 की तरफ बढ़ें।

स्टेप - 2

जब विद्यार्थी/अभिभावकैअध्यापक Utkarsh App को इंस्टाल करके लॉगिन कर चुका हो तब Free Course के लिए आवेदन करने के लिए नीचे दिया गया लिंक क्लिक करके एक छोटा सा ऑनलाइन फॉर्म भरना है व खास ध्यान यह रखना है कि इस फॉर्म में वह मोबाइल नंबर डालना है, जिस मोबाइल नंबर से आपने उत्कर्ष एप को लॉगिन किया हो। इसके अलावा इस फॉर्म में सभी सूचनाएं बहुत ध्यान से भरना है,जैसे राजस्थान बोर्ड के लिए RBSE सलेक्ट करना, मीडियम व कक्षा का चयन सही से करना इत्यादि। एक मोबाइल नंबर से केवल एक ही फ्री ऑनलाइन कोर्स प्राप्त किया जा सकता है, अत: फॉर्म सही तरीके से भरकर समिट करें।

तो इब नि: शुल्क ऑनलाइन कोर्स के आवेदन हेतु नीचे दिये गये लिंक को क्लिक करें।

CLICK HERE G

https://utkarsh-com/hn/free&school&course

स्टेप - 3

जैसे ही यह फॉर्म भरकर आप submit करेंगे वैसे ही उत्कर्ष एप की My Library में जाकर रिफ्रेश करने पर वह ऑनलाइन कोर्स ऑटोमैटिक जुड़ जायेगा तथा *Paid Course* वाले सेक्शन में फ्री में दिखने लग जायेगा।

निवेदन : पूरे भारत में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए यह नवीन व अनूठी पहल है,जिसके माध्यम से कोरोनाकाल में सरकारी विद्यालय का विद्यार्थी भी घर बैठे डिजिटल शिक्षा का नि: शुल्क आनंद उठा पायेगा। अब हमारा यह दायित्व बनता हैकि सरकारी स्कूल के हर विद्यार्थी तक न केवल इसकी सूचना अच्छे से जाये बल्कि विद्यार्थियों की एप इंस्टाल करने से लेकर कोर्स प्राप्त करने व विद्यार्थियों के कोर्स को एक्सेस करने संबंधी सभी प्रकार की सहायता हमें करनी है।

ऑनलाइन कोर्स की प्रमुख विशेषताएँ :-

1.ऑनलाइन क्लासेस लेने में दक्ष गुरूजनों द्वारा रोजाना सायं 4 से 7 बजे तक उत्कर्ष एप में लाईव ऑनलाइन क्लासेस।

2.लाईव क्लास के बाद भी अपनी वार्षिक परीक्षाओं तक विद्यार्थी उन विडियो को बार-बार देखकर अभ्यास कर सकते हैं।

3.ई-नोट्स,पीडीएफ, टेस्ट, क्विज इत्यादि सब कुछ Utkarsh App में उपलब्ध रहेगा।

किसी प्रकार की सहायता के लिए support@utkarsh-com पर ई-मेल करें

आशा करते हैं कि इसका लाभ हर जरूरतमंद विद्यार्थी तक पहुंचेगे।

धन्यवाद ।

डिजिटल शिक्षा-उत्कर्ष भारत

रोमन सैनी ने दोस्त के साथ मिलकर 5 साल पहले शुरु की अनएकेडमी, आज यह 11 हजार करोड़ रुपए की कंपनी बनी, दुनिया में एजुकेशन में छठे नंबर पर

दूसरों की जिंदगी गढ़ने के लिए गौरव ने एमएनसी व रोमन ने आईएएस की नौकरी छोड़ी अनएकेडमी पर 35 प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी 18 हजार एजुकेटर कराते हैं

यह कहानी जयपुर के रहने वाले दो दोस्तों गौरव मुंजाल और रोमन सैनी की है। दूसरों की जिंदगी गढ़ने की इनकी जिद और जुनून ने 5 साल पहले शुरू की गई इनकी कंपनी अनएकेडमी को देश की 200 कंपनियों के क्लब में शामिल करवा दिया। अनएकेडमी आज ऑनलाइन एजुकेशन के प्लेटफार्म पर दुनिया की छठे पायदान पर है। कंपनी की वर्तमान वैल्यूएशन 11 हजार करोड़ (1.45 बिलियन डॉलर) है।

कंपनी की शुरुआत करने वाले गौरव मुंजाल ने कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक करने के बाद लाखों के पैकेज की नौकरी छोड़ी। उनके पिता डॉ. ईश मुंजाल शहर के प्रख्यात डॉक्टर हैं। वहीं, रोमन सैनी ने आईएएस की सेवा में चयनित होने के 6 महीने बाद ही इस्तीफा दे दिया।

गौरव मुंजाल ने यू-ट्यूब पर कॉलेज के दौरान इसकी शुरुआत की

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने देशभर के स्टार्टअप को बुलाया और उसमें से गौरव और रोमन भी एक थे। गौरव मुंजाल ने यू-ट्यूब पर कॉलेज के दौरान इसकी शुरुआत की। फिर अपने दोस्त आईएएस रोमन सैनी को 2015 में इसे आगे बढ़ाने के लिए साथ आने को कहा। रोमन ने नौकरी छोड़ी और गौरव के साथ आ गए।

35 प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी 18 हजार एजुकेटर कराते हैं

यू-ट्यूब और ऐप पर अनएकेडमी सबसे ज्यादा देखा जाता है। 35 प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी 18 हजार एजुकेटर कराते हैं। अनएकेडमी वाईफाई, प्रेप लेडर, कोड शेफ, मास्टरी जैसी कंपनी एक्वॉयर कर चुकी है। यही नहीं सॉफ्ट बैंक, सिकोवा, फेसबुक, जनरल एटलांटा आदि कंपनियों ने अनएकेडमी में पैसा लगाया। अनएकेडमी के 3.5 लाख से ज्यादा सबस्क्राइबर हैं। अनएकेडमी आईपीएल की भी ऑफिशियल पार्टनर है।

रोमन की कहानी :

16 साल की उम्र में ही रोमन सैनी ने मेडिकल की परीक्षा पास कर ली थी और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान **(AIIMS)** में वे एक जूनियर रेजिडेंट डाक्टर बन गये। उतने से भी जब मन नहीं भरा तो 22 साल की उम्र में **IAS** अधिकारी बनने के लिए सिविल सेवाओं की प्रवेश परीक्षा में 18वीं रैंक हासिल कर ली, लेकिन मंजिल तो कुछ और ही थी और अपनी उसी मंजिल की तलाश में अब वे एक आंत्रेप्रेन्योर के रूप में काम कर रहे हैं, जिसके अंतर्गत रोमन अपने यूटयूब चौनल के माध्यम से **UPSC** परीक्षा के प्रतिभागियों को मुफ्त आनलाइन पाठ्य सामग्री उपलब्ध करा रहें है।

रोमन सैनी वे युवा हैं, जो आज के भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे दृढ़ संकल्प के साथ अपनी सीमाओं से आगे बढ़ कर उन लोगों के लिए हर संभव मदद मुहैया करा रहे हैं जिनमें क्षमता और योग्यता तो है, लेकिन साधन नहीं। रोमन अपने यूटयूब चैनल **Unacademy** के माध्यम से देश के उन्हीं युवाओं की मदद

इस प्रकार दो दास्तों ने 5वर्ष के अल्प समय में 11 हजार करोड़ की कंपनी बना समाज व देश को गौरवान्वित करने के साथ समाज के युवा वर्ग के लिए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है हमें समाज के युवा रोमन पर गर्व है आपने माता पिता के साथ ही समाज को भी विश्व स्तर पर गौरव प्रदान किया है।

कर रहे हैं, जो दृढ़ संकल्प के साथ योग्यता के बल पर आगे बढ़ना चाहते हैं।

रोमन कहते हैं : 'मेरा मानना है यदि हम वास्तव में किसी चीज की चाहत कर लें, तो उसे हासिल कर सकते हैं। मेरे लिए उपलब्धि हासिल करने का कोई बाहरी मानक नहीं था। मैंने वो सब कुछ किया जिसको करने में मुझे आनंद आया। मैं गिटार बजाता हूं, क्योंकि मुझे संगीत पसंद है, इसलिए नहीं कि इंग्लैंड में ट्रिनिटी कश्वलेज जाने की ख्वाहिश रखता हूं। चिकित्सा और सिविल सेवा के लाखों यूपीएससी उम्मीदवारों को ऑनलाइन सामग्री उपलब्ध कराने का निश्चय भी मेरे भीतर से ही आया है।''

बाकी बच्चों की तरह रोमन का पालन पोषण भी बेहद साधारण परिवार में हुआ है। रोमन की माँ हाउस वाइफ हैं और पिता इंजीनियर। जिस **AIIMS** जैसे मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के लिए लोग सालों साल इंतजार करते हैं उस कॉलेज में रोमन को 16 साल की उम्र में ही टेस्ट पास करने के बाद दाखिला मिल गया था। रोमन के परिवार में इनके अलावा कोई दूसरा व्यक्ति **IAS** नहीं है। जयपुर के एक मध्यवर्गीय परिवार से आने वाले रोमन ने बहुत कुछ कर के दिखाया है, क्योंकि उन्होंने जो चाहा उस को दिल से किया। रोमन गंभीरता पूर्वक कहते हैं, मेरे माता-पिता ने मुझे बहुत जल्दी ही एक तरह से त्याग दिया था, क्योंकि मैं उनके साथ सामाजिक आयोजनों में नहीं जाता था। मैंने बहुत लंबे समय से परिवार की किसी शादी में भी भाग नहीं लिया। मेरे सभी रिश्तेदारों और दोस्तों को लगता था, कि मैं सबसे अलग और शायद अजीब हूं और जबकि सच्चाई ये है कि मैं अपनी दुनिया में रहता हूं और ऐसी चीजें करता हूं जो मुझे पसंद हैं. मैंने अपने जीवन में आवश्यक और गैर आवश्यक के बीच अंतर करने की क्षमता विकसित कर ली है. इससे मुझे सही काम को अच्छी तरह से करने में मदद मिली है।''

अपनी पढ़ाई, **IAS** में चयन और **AIIMS** में मिलने वाले एडमिशन को लेकर रोमन कहते हैं, मुझे स्कूल की पढ़ाई में दिलचस्पी नहीं थी और मैं एक मेधावी छात्र भी नहीं था। मेरा मानना है कि स्कूल आदि में उच्च अंक प्राप्त करने को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। मैं परीक्षाओं को पास करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में रटने वाली संस्‍ति से सहमत नहीं हूं। मैं मेडिकल प्रवेश परीक्षा में केवल इसलिए बैठा, क्योंकि जीव विज्ञान ने मेरा ध्यान आकर्षित किया और मुझे इस विषय में विस्तार से पढ़ना अच्छा लगा। मुझे इसमें मजा आया और इसलिए मैं प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हुआ। **AIIMS** में चयन होना वास्तव में विषयों में मेरी दिलचस्पी का एक अच्छा परिणाम था। इसी तरह, **UPSC** के लिए भी मैंने विषयों के चुनाव के लिए मेरी प्रवृत्ति का ही अनुसरण किया।

रोमन अपनी उपलब्धियों को सबके साथ साझा करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उन्होंने जो किया, उसे करने में हर कोई सक्षम हो। उनका ऑनलाइन वेंचर इस बात का एक स्पष्ट प्रमाण है। वे कहते हैं, मैंने यूपीएससी परीक्षा को डीकोड करने के लिए ये ऑनलाइन कार्यक्रम शुरू किया है। यदि आप इसे अच्छी तरह से समझ लें, तो इसमें सफल हो सकते हैं। ध्यान रहे, यह दुनिया की सबसे कठिन परीक्षा है और आप इसमें पूरी तरह से संलिप्त हुए बिना सफल नहीं हो सकते हैं। **UPSC** का एग्जाम सिर्फ इसलिए न दें, क्योंकि यह पावर, पैसे और प्रतिष्ठा आदि का प्रवेश द्वार माना जाता है, बल्कि इस लिए दें क्योंकि यह आपके लिए वास्तविक महत्व रखती है। यह एक कठिन प्रक्रिया है और यह परीक्षा आपकी मानसिक शक्ति का परीक्षण करती है, जैसा कि कोई अन्य परीक्षा नहीं कर सकती। क्योंकि, आपके सबसे मुश्किल क्षण में, आपका एकमात्र मार्गदर्शक बल आपकी अंदरूनी शक्ति ही होती है।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए रोमन कहते हैं, हमेशा सीखने की भूख ही मुझे संचालित करती है। मैं हर स्थिति और हर किसी से सीखना चाहता हूं। मुझे हर समय ज्ञान की प्यास बनी रहती है और मैं बेशर्मी से नई जानकारी तलाशता रहता हूं। यही वजह है कि मैं रुकता नहीं हूं, बल्कि हमेशा चलता रहता हूं।

ये सच है कि **UPSC** की तैयारी में काफी खर्च हो जाता है और हर किसी के लिए चाह कर भी इसकी कोचिंग लेना आसान बात नहीं है। डॉक्टर बनने के बाद रोमन ने सिविल सेवा की परीक्षा दी और परीक्षा में 18वां सीन प्राप्त करने के बाद ये फैसला किया कि वे प्रतिभागियों की ऑनलाइन ट्रेनिंग के माध्यम से मदद करेंगे और अपने इसी सपने को आकार देते हुए रोमन ने **Unacademy** की शुरूआत कर दी। **Unacademy** एक ऑनलाइन यू टयूब कोचिंग चैनल है, जिसे रोमन अपने दोस्त के साथ मिलकर चलाते हैं। यू टयूब के इस चौनल पर चलने वाले वीडियोज को अनिगिनत व्यूज, लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं। इस चैनल की मदद से कई प्रतिभागियों ने अपने एग्जाम्स में बेहतरीन किया है। इस चौनल पर चलने वाले वीडियोज और रोमन के भाषण प्रतिभागियों को निखारने का काम करते हैं साथ ही उन्हें ऐसे गुर सिखाते हैं, जो उनके लिए सिविल सेवा एग्जाम्स में सहायक होते हैं।

11वीं में गौरव स्कूल टीम में शामिल नहीं हो पाया तो मैगजीन का ई एक्स-रे बना दिया था - डॉ. ईश

गौरव के पैरेंट्स सीमा मुंजाल और डॉ. ईश मुंजाल गौरव के खुद पर भरोसे का किस्सा बताते हैं- गौरव की पढ़ाई लिखाई सेंट जैवियर्स से हुई है। 11वीं में गौरव को स्कूल मैग्जीन टीम में शामिल नहीं किया गया। उसने प्रिंसिपल से बात की लेकिन बात बनी नहीं। इस पर गौरव ने मैगजीन का ऑनलाइन कर ई एक्स-रे बना डाला। मां सीमा मुंजाल बताती हैं कि असफलता की बात पर गौरव सिर्फ मुस्कुरा देता था।

इस प्रकार दो दास्तों ने 5वर्ष के अल्प समय में 11 हजार करोड़ की कंपनी बना समाज व देश को गौरवान्वित करने के साथ समाज के युवा वर्ग के लिए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है हमें समाज के युवा रोमन पर गर्व है आपने माता पिता के साथ ही समाज को भी विश्व स्तर पर गौरव प्रदान किया है।

समाज गौरव जगदेव प्रसाद की पुण्यतिथि 25 सितंबर पर विशेष

'रांझणा' की तरह आज ही हुई थी बिहार के लेनिन श्री जगदेव प्रसाद की हत्या

धनुष और सोनम कपूर की सुपरहिट फिल्म रांझणा का अंतिम दृश्य याद होगा, जब सत्ताधारी पार्टी ने सत्ता के लिए चुनौती बन रहे धनुष की सभा में उपद्रव कराकर हत्या करा दी थी। कुछ ऐसा ही दृश्य 1974 में बिहार में सचमुच बना था। धनुष की जगह निशाना बने थे सत्ता और सामंतों को चुनौती दे रहे शोषित समाज दल के अध्यक्ष जगदेव प्रसाद, जिन्हें बिहार लेनिन भी कहा जाता है।

1974 का वह साल था, जब शिक्षक दिवस के दिन यानी पांच सितंबर को जगदेव प्रसाद की हत्या करवा दी गई थी। रांझणा को मारने में सत्ताधारी पार्टी ने गुंडों का इस्तेमाल किया था, जबकि जगदेव प्रसाद की हत्या में सामंती गुंडे और सरकारी अमला शामिल था। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि उस दिन अरवल जिला के कुर्था में उनकी जनसभा थी। हजारों की भीड़ उमड़ रही थी। प्रशासन लोगों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में अवरोध पैदा कर रहा था। जगदेव प्रसाद का भाषण जैसे ही शुरू हुआ, सभा में उपद्रव शुरू किया गया और एक डीएसपी ने जगदेव प्रसाद पर गोली चला दी। कुछ और भी गोलियां चलाईं। दलित छात्र नेता लक्ष्मण चौधरी वहीं शहीद हो गए। कुल 27 राउंड गोलियां चली थीं। रांझणा की मौत तो अस्पताल में हुई थी, लेकिन जगदेव प्रसाद को वह भी नहीं मयस्सर नहीं हो सका। जगदेव प्रसाद के गले में गोली लगी और वे बुरी तरह से घायल हो गए। समर्थकों ने उन्हें जीप में बिठाकर अस्पताल ले जाना चाहा। परंतु सत्ता और सामंतों के पालतु वर्दी वाले गुंडों ने लाठी बरसाकर समर्थकों को भगा दिया और घायल जगदेव प्रसाद को अस्पताल के बजाय थाने ले गए। कहा जाता है कि थाने में उनके सीने को बंदूकों के कुंदे से तब तक पीटा गया, जब तक कि मौत न हो जाए।

भगत सिंह की तरह शव गायब करने की साजिश :

जगदेव प्रसाद की हत्या की खबर सुनते ही जनता बौखला गई। जैसे ब्रिटिश हुकूमत ने जन आक्रोश से बचने के लिए भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शव को गायब करने की साजिश की थी, वैसी ही साजिश जगदेव प्रसाद के साथ भी की गई। कहा जाता है कि प्रशासन ने उनके शव को डाल्टेनगंज के जंगलों में ले गया। उनकी मौत की खबर भी समचार में प्रसारित करने से रोक दिया गया। हालांकि बीबीसी ने उनकी मौत की समाचार दे दी। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि कुर्था में शांतिपूर्वक चल रही जनसभा में पुलिस ने जगदेव प्रसाद की हत्या कर दी। हत्या दोपहर में की गई थी लेकिन अगले दिन सुबह तक जगदेव प्रसाद का शव का पता नहीं चल सका। पटना में बीपी मंडल, रामलखन सिंह यादव, भोला प्रसाद सिंह, दारोगा प्रसाद राय जैसे नेताओं ने तब के मुख्यमंत्री अब्दुल गफूर से मिलकर कहा कि जगदेव प्रसाद की लाश अगर पटना में जल्द नहीं लाई गई तो पूरा बिहार जल जाएगा। इस दबाव के कारण शव को प्रशासन छह सितंबर को दोपहर तक पटना लेकर पहुंचा। सात सितंबर 1974 को उनकी अंतिम यात्रा में लाखों लोग शामिल हुए।

सत्ता और सामंत को इसलिए था खौफ

जगदेव प्रसाद की राजनीति डॉ. राममनोहर लोहिया की सोशलिस्ट पार्टी से शुरू हुई थी। 1967 में जब संविद सरकार बनी और मुख्यमंत्री महामाया प्रसाद बनाये गए, तब उनका लोहिया से मतभेद हो गया। मुख्यमंत्री का पद एक सवर्ण को दिये जाने का विरोध किया और पार्टी से अलग हो गए। शोषित दल बनाया और अगले साल 1968 में महामाया प्रसाद की सरकार गिरने के बाद सरकार भी बनाई। अहीर जाति से सम्बंध रखने वाले बीपी मंडल को मुख्यमंत्री बनवाया खुद जगदेव बाबू बने सिंचाई मंत्री क्योंकि जगदेव बाबू की दिलचस्पी राजनीति में कम और समाज को जागृत करने में अधिक था। उन्होंने बताया कि शोषण की नींव धर्म पर टिकी हुई है। भाग्य और भगवान आदि काल्पनिक बातों से लोगों को डराकर शोषण किया जा रहा है। सभी इंसान बराबर हैं। न तो सामंतों को विशेष अधिकार प्राप्त है और न ही सवर्णो को। उनका नारा गली-गली गूंज उठा था- 100 में 90 शोषित है, 90 भाग हमारा है। जगदेव प्रसाद ने ही पिछड़ों और दलितों की गठजोड़ की रूपरेखा तय की थी, जो सामाजिक न्याय का रास्ता बना। धर्म और उसके नाम किए जा रहे पाखंडों को जगदेव प्रसाद जिस तरह उजागर कर रहे थे और शोषितों को जगा रहे थे, वह सामंतों और सत्ताधीशों को खटकने लगा।

उनकी हत्या भी जिस तरह से हुई थी, साफ जाहिर है कि उसका षड्यंत्र काफी पहले से रचा जा रहा होगा। हत्या से पहले ही कुर्था और आसपास के तमाम पुलिस अधिकारी सवर्ण नियुक्त किए जा चुके थे। जगदेव प्रसाद ने अपने कई साथियों से कहा था कि कुर्था वाली सभा में कुछ अनहोनी हो सकती है क्योंकि प्रशासन में उनके कुछ करीबी लोगों ने संकेत दिए थे। रांझणा के धनुष को भी तो उसके शुभचिंतक पुलिसवाले ने आगाह किया ही था। परंतु, जगदेव प्रसाद और धनुष दोनों ही अपने लक्ष्य को लेकर इतने भावुक, समर्पित और जुनूनी थे कि जान पर खेल गए। धनुष का जुनून और जगदेव प्रसाद कुशवाहा का शोषितों को जगाने के लिए।

5 सितम्बर के शहादत दिवस पर शोषितों के इस मसीहा को विनम्र श्रद्धांजलि : अमर शहीद जगदेव प्रसाद, संस्थापक राष्ट्रीय महामंत्री शोषित समाज दल का शहादत दिवस है। आज ही के दिन पाँच सितम्बर 1974 में बहुसंख्यक समाज नब्बे प्रतिशत लोग कल्याण हेतु आंदोलन के क्रम में पुलिस की गोली से कुरथा ब्लॉक में मारे गये थे। सात सूत्री माँग आज भी अधूरा है जबकि दलित राष्ट्रपति, ओबीसी समुदाय से पीएम/ सीएम है। बताओ भाईयों/बहनों नब्बे प्रतिशत समुदाय के लोग गुलाम है या अजाद है। मेरी समझ से भारत के नब्बे प्रतिशत जनसंख्या बाले लोग गुलाम हैं और दस प्रतिशत जनसंख्या बाले समुदाय के लोग स्वतंत्र हैं । कैसे ? पढ़े और समझे बहुसंख्यक समाज के लोग के लिए काका कालेलकर आयोग ने 1956 में भारत सरकार के सिफारिश किया, लेकिन कुछ नहीं मिला।

सुनिल मालकार की सब इंस्पेक्टर में 19वीं रैंक

किशनगढ़। मालियों का छोटा मौहल्ला, नया शहर किशनगढ़ निवासी जुगल किशोर कुंवाल के पुत्र सुनील मलाकार ने राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित सब इंस्पेक्टर परीक्षा के परिणाम में राजस्थान में 19वीं रैंक प्राप्त की है। सुनील अभी राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है। आपकी सफलता पर सामाजिक संगठनों के अधिकारियों ने बधाई प्रेषित की। इसके साथ ही समाज के अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 युवक युवतियों का सब इंस्पेक्टर पद पर चयन हुआ है।

1. सुनील मालाकार, किशनगढ़, अजमेर 19 वीं रैंक
2. पन्नालाल गेहलोत, गंगाणी, जोधपुर 35 वीं रैंक
3. राकेश महावर पीह, नागौर 268 वीं रैंक
4. महेंद्र गहलोत, गंगाणी, जोधपुर 324 वीं रैंक
5. ओमप्रकाश सैनी, जमवारामगढ़, जयपुर 412 वीं रैंक
6. रामराज सुमन, श्रीराम नगर, कोटा 482 वीं रैंक
7. जगराज सिंह सैनी, टोडारायगढ़, टोंक
8. श्रवण राम सांखला बावड़ी जोधपुर
9. अक्षय माली छोटी सादड़ी प्रतापगढ़
10. महेंद्र टाक पीपाड़ शहर जोधपुर
11. सुश्री निर्मला माली श्रीनगर, अजमेर
12. सुश्री ममता सैनी नागल, झुंझुनू
13. सुश्री पिंकी सैनी श्री माधोपुर, सीकर
14. रेणु माली किशनगढ़

माली सैनी संदेश परिवार समाज की सभी प्रतिभाओं को राजस्थान पुलिस में SI पद पर चयन होने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करते है।

निशुल्क कोचिंग क्लास सैनी समाज ने निशुल्क कोचिंग क्लास चलाने का लिया निर्णय

माली सैनी समाज ने छात्रों के लिए निशुल्क कोचिंग क्लास चलाने का निर्णय लिया है। माली सैनी समाज के जिला अध्यक्ष सचिन सैनी ने बताया कि कर्मचारी और भामाशाह दोनों मिलकर निशुल्क कोचिंग चलाएंगे। इसके लिए कुंजी लाल सैनी को निशुल्क कोचिंग संस्थान का अध्यक्ष बनाया गया है।छोटू लाल सैनी गहलोत ट्रैक्टर एजेंसी व जिला अध्यक्ष सचिन सैनी को निशुल्क कोचिंग संस्थान का संरक्षक बनाया गया। जिला अध्यक्ष सचिन सैनी ने अपने उद्बोधन में बताया कि माली समाज के होनहार छात्र छात्राओं के लिए निशुल्क कोचिंग का संचालन किया जाएगा। इस कोचिंग क्लास के जरिए समाज के विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञ द्वारा अध्यापन कार्य करवाया जाएगा। जिला अध्यक्ष सचिन सैनी ने इसके लिए सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर कुंजी लाल, धर्मराज सैनी, सीताराम तहसील अध्यक्ष, रामकेश सैनी, रघुवीर सैनी, राजेंद्र सैनी, युवा नेता मोहन, बंटी सैनी, लडडू लाल, शंभू छालोदा, जय राम, बाबूलाल, दयाराम, हरकेश पीटीआई, घनश्याम, भीम कुमार आदि समाज के कार्यकर्ता मौजूद थे।

माली सैनी समाज सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष सचिन सैनी द्वारा चलाए गए सोशल मीडिया पीड़ित परिवार आर्थिक सहायता मिशन चलाकर पीड़ित परिवार को दी 80160 रुपए की सहायता'

अमरगढ़ चौकी, गंगापुर सिटी, (स.मा.)

कुछ दिन पूर्व शेतान माली अमरगढ़ चौकी की दुर्घटना बस मौत हो गई थी। जिनके छोटे-छोटे तीन बच्चे है जिसके कारण इस पीड़ित परिवार के पास आय का कोई स्रोत नहीं है सैनी युवा संगठन के युवाओं ने मिलकर मिशन चलाया जिसमें सर्व समाज द्वारा बढ़-चढ़कर सहयोग किया। इस दौरान सचिन सैनी जिलाध्यक्ष,सीताराम सैनी तहसील अध्यक्ष, रोशन सैनी मलारना डूंगर तहसील अध्यक्ष,राजेन्द्र उर्फ भोला, बबलू महुकला,भरतलाल हबीबपुर, अमरसिंह, राजेश, रामकेश पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष, भमरपाल भगतपुरा, मानसिंह, धनसिंह , मोहरसिंह, मोतीलाल सरपंच, जीतू पांडे,सुरज्ञान रामविलास,सदस्य उपस्थित थे पीड़ित सैनी युवा संघटन ने इस प्रकार के कई मिशन चलाएं है सचिन सैनी ने बताया कि ऐसे मिशनों से पीड़ित परिवारों को एक बहुत बड़ा आर्थिक संबल मिलता है।

माली सैनी जागृति संस्थान के रक्तदान शिविर में 101 यूनिट युवाओं ने लिया भाग

अजमेर। राजस्थान माली सैनी जागृति संस्थान, अजमेर के तत्वावधान में 30 अगस्त रविवार को एक विशल रक्तदान शिविर का आयोजन मालियान (सैनी) पब्लिक स्कूल, 9 नंबर पेट्रोल पंप अजमेर पर किया गया। इस शिविर में जवाहर लाल नेहरू अस्पताल, अजमेर की टीम द्वारा सेवाएं दी गई। कोरोना महामारी को ध्यान रखते हुए सरकारी एडवाइजरी की पालना करते हुए टीम द्वारा सेनेटाइजर, मास्क, स्कैन व अन्य जांच इत्यादि की सुविधाएं भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई।

भामाशाह त्रिलोकचंद इंदोरा व कमाण्डर जगदीश राजावत, सुरेन्द्रसिंह शेखावत द्वारा महात्मा ज्योति बा फूले एवं माता सावित्री बाई फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दिपक प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर समाज के अलावा भी अनेकों युवाओं ने बढ़ चढ़कर रक्तदान में हिस्सा लिया और 101 यूनिट रक्त संग्रहण हुआ। लड़कियों में केवल एक ज्योति कुमारी ने रक्तदान दिया। रक्तदान शिविर में संस्थान के रविराज माली, रवि दगदी, सचिन इंदौरा, राहुल भाटी, नवीन महावर, हिमांशु गहलोत, रवि कच्छवाहा, हार्दिक जादम, मनीष कच्छवाहा, भरत गहलोत, प्रिंस भाटी, प्रवीण पंवार, गणेश भाटी और हिमेश भाटी, हर्ष उबाना, निखिल जादम, हनी गहलोत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समाज बंधुओं में प्रमुख रूप से संतोष मौर्य, नवीन कच्छवाहा, मोहनलाल सांखला, प्रदीप कच्छवाहा, आशा तुनवाल, राधा चौहान, पूनम तंवर, सुक्षमा चौहान, गजेन्द्र मौर्य, चन्द्र शेखर मौर्य, हेमराज खारोलिया, पृथ्वीराज सांखला, भानु कच्छवाहा, हेमंत सिंगोदिया, डॉ. भूपेन्द्र कटारिया, ओम ढ़लवाल, अमरचंद्र, गणेश टाक, कन्हैया लाल तुनवाल इत्यादि उपस्थित थे।

माली सैनी संदेश परिवार सभी रक्तदाताओं के साथ आयोजकों का हार्दिक आभार प्रकट करता है जिन्होंने कोरोना काल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

स्कूल फीस के लिए कर्ज लेने वाली बालिका की समाज के भामाशाहों ने की मदद

अजमेर। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान बालिकाओं के अभिभावकों का रोजगार काम धंधे सब ठप हो गए हैं इसके चलते वे अपनी होनहार बालिकाओं की फीस भरने में भी असमर्थ महसूस कर रहे हैं । बालिकाओं की फीस भरने हेतु वे कर्ज लेकर फीस भर रहे हैं। मां सावित्री बाई फुले महिला संस्थान,अजमेर द्वारा इसकी जानकारी सभी समाज के ग्रुप में दी गई जिसके दौरान श्री प्रमोद जी भाटी द्वारा रूपये 4600/- का आर्थिक सहयोग इन बालिकाओं की फीस भरने हेतु दिया गया। मां सावित्री बाई फुले महिला संस्थान को दिया गया है जिसमें यह राशि गुप्त संग्रह के रूप में एकत्रित की गई । आपकी अनुकरणीय पहल के लिए सभी समाजसेवियों को सादर साधुवाद । सुश्री निकिता भाटी की फीस रूपये 8 हजार कर्ज लेकर उसकी मम्मी ने स्कूल फीस जमा करवाई एवं उसी की छोटी बहन निशा भाटी रूपये 4 हजार जमा कराने बाकी थी। मैंने यह चर्चा समाज के ग्रुप में सभी से रखी थी कि बालिकाओं की फीस,किताबें, बुक्स और ऐनडरोएड मोबाइल फोन भी उपलब्ध करवा सकते हैं तो हमें प्रयास करने चाहिए। इसी दौरान श्रीमान त्रिलोक चंद जी इंदौरा द्वारा मां सावित्री बाई फुले महिला सैनी संस्थान,अजमेर द्वारा इस बालिका की फीस के रूपये 8 हजार आपने देने की घोषणा की। जिससे इस परिवार को काफी राहत महसूस हुई दोनों ही बालिकाएं हर क्षेत्र में प्रतिभावान हैं इन बच्चों को आगे बढ़ाने में जो अजमेर माली समाज का सहयोग रहा है ।मां सावित्रीबाई फुले महिला संस्थान, अजमेर की संयोजिका शारदा मालाकार व पुरी कार्यकारिणी की तरफ से साधुवाद एवं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित है।

गरीब बच्चियों की आनलाईन क्लास के लिए एंड्रॉयड मोबाइल फोन दिलाकर शिक्षा अभियान जारी रखा

अजमेर। अजमेर माली समाज के भामाशाह श्रीमान त्रिलोक चंद जी इंदौरा साहब ने वैश्विक महामारी कोविड-19 के करुणा काल में जब सारी स्कूल, कॉलेज पूर्ण रुप से बंद है, और सभी स्कूलो ने ऑनलाइन पढ़ाई हो रही है,उनके द्वारा एंड्राइड मोबाइल फोन से ऑनलाइन पढ़ाया जा रहा हैं और एग्जाम भी लिए जा रहे हैं। ऐसे मे गरीब बच्चियों जिनके माता-पिता की आमदनी नहीं के बराबर हैं। कोरोना संकटकाल मे सारे धंधे, रोजगार सब चौपट हो गये, जो कि बिना एंड्राइड मोबाइलफोन के द्वारा ही पढायी और परीक्षा दोनों संभव नहीं था।

माता सावित्रीबाई फुले महिला संस्थान,अजमेर की अध्यक्ष शारदा मालाकार के प्रयास करने व निवेदन करने समाज को होनहार बच्ची निकिता भाटी को ओप्पो कम्पनी का एंड्राइड मोबाईल दिलाया ताकि बच्चियां शिक्षा से वंचित न रहे। भामाशाह व समाजसेवी इंदोरा हमेशा समाज के लिए अर्थिक सहयोग करने मे तत्पर रहते है। समाज की सभी संस्थाओं को उनका भरपुर आर्थिक सहयोग रहता हैं तथा सबसे पहले कार्यक्रम मे उपस्थित होकर कार्यकर्ताओ का उत्साह, जोश बढाते हैं। इसके लिए अजमेर माली समाज आपका कोटि कोटि आभार प्रकट करते हैं। सम्मानित त्रिलोक चन्द्र इंदोरा को बधाईयां देने व व्यक्तिगत बातचीत के दौरान बताया कि मेरा जन्मदिन 12 अक्टूबर को हैं, कोरोना काल मे जन्मदिन सादगी से बनायेंगे उस दिन चिन्हित सबसे गरीब बच्चे या बच्चियों को भी एंड्राइड मोबाईल फोन देने का वादा करता हूं ताकि आनलाईन पढाई कोई परेशानी न आयें। इन छात्राओं का चयन माता सावित्रीबाई महिला संस्थान की अध्यक्ष शारदा जो एक शिक्षक भी हैं, पूरी टीम के माध्यम से पार्दर्शिता से किया जायेगा। चिन्हित सबसे गरीब परिवार के अभिभावकों संस्थान से सम्पर्क कर सकते है। इस तरह इंदोरा ने अपने 70 वें जन्मदिन 12 अक्टूबर पर समाजसेवा करने का संक्लप लिया हैं। मुझे आशा ही नहीं विश्वास हैं कि अजमेर माली समाज के युवा वर्ग आपसे प्रेरणा लेगें ओर अपने जन्मदिन पर व्यर्थ पैसा खर्च करने की बजाय समाजसेवा मे लगायेंगे।

भामाशाह परिहार व समाजसेवी सांखला ने किया वृक्षारोपण

जोधपुर। श्री सैनिक क्षत्रिय पूंजला नाडी संरक्षण एवं पर्यावरण विकास संस्था द्वारा कल के लिए आज की तैयारी के चलते पूंजला नाडी के भामाशाह सत्यनारायण परिहार व समाजसेवी अमित सांखला ने पूंजला उद्यान परिसर में फलदार पौधे लगाकर पूंजला नाडी के विकास की नई पहल पर संस्थान सदस्यों को बधाई दी। श्री सैनिक क्षेत्रिय पूंजला नाडी संरक्षण एवं पर्यावरण विकास संस्था, मगरा-पूंजला, जोधपुर के कार्यक्रम संयोजक राकेश सांखला एवं कार्यक्रम संचालक जगदीश देवड़ा के नेतृत्व हर रविवार को प्रात: 6.30 से 8.30 तक जल संरक्षण व वृक्षों के संरक्षण हेतु प्रयासरत रहते है। वार्ड संख्या 62 में स्थित पूंजला नाड़ी (प्राकृतिक तालाब) जो कि पहाड़ियों के बीच आया हुआ है, को हरा भरा करने एवं वर्षा का पानी इकट्ठा करने हेतु सफल होने व इस पानी के उपयोग व उपभोग स्वतंत्र विचरण करने वाले पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने व वृक्षों को पानी पिलाने के काम लेने के लिए संस्थान को बधाई दी।

इसी सामाजिक सरोकार व भावना को देखते हुए पूंजला नाडी के भामाशाह श्री सत्यनारायण जी परिहार, जिन्होंने पूंजला नाडी स्थित ऐतिहासिक छतरियों का जिणोधार करवाया, साथ ही समाजसेवी अमित सांखला द्वारा पूंजला नाडी की पाल व अन्य विकास कार्य हेतु अपना सहयोग दिया, ने आज विकास की पहल को आगे बढ़ने हेतु हर संभव सहयोग देने के साथ फलदार पेड़-पौधे लगाकर वृक्षारोपण किया। साथ ही अन्य विकास कार्यो के बारे में विचार विर्मश किया।

आज के इस कार्यक्रम में संस्थान संरक्षक छंवरलाल गहलोत, लिखमाराम सुथार, युधिष्ठर गहलोत, मुकेश गहलोत, राजेन्द्रसिंह सोलंकी, झूमरलाल देवड़ा, शेखर गहलोत आदि सदस्यों ने भाग लिया।

संतोष सांखला 9252067133 9414359805

नेमीचंद सांखला 9529551444

आ. पी. तंवर 9414117306

तंवर मार्बल

मूर्ति एण्ड हैण्डीक्राफ्ट

हमारे यहां मार्बल स्लैब, टाईल्स, मंदिर मूर्ति, जाली, पालकी, मार्बल फ्लॉवर व हैण्डीक्राफ्ट आदि का कार्य किया जाता है।

M Marble Art (Android Apps on Gooble Play Store)

E-Mail : marbletanwar@gmail.com

शोरूम : सैनी कॉम्पलैक्स, 1 फ्लोर, शॉप नं. 40, रेल्वे स्टेशन के पास, मकराना (राज.)

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा

श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर

श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर

श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, कुड़ी फार्म, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर

श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर

डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीपकुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडनूं
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

ही क्यों ?

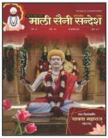
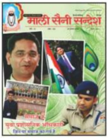

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464,
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर कॉम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

www.malisainisandesh.com

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षों से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु 400/- | **पांच वर्ष रु 900/-** | **आजीवन रु 3100/-**

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रुपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

विनम्र

श्रद्धांजली

कोरोना योद्धा अमर हॉस्पिटल जयपुर के

डॉ. रामकिशन सैनी

अब हमारे बीच नही रहे।

डॉ आर के सैनी कोरोना पीड़ित थे जिसकी वजह से उनका स्वर्गवास हो गया।

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें,

उनके परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें !

समाज गौरव

श्रीमान राजेंद्र मावर

वरिष्ठ महामंत्री राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा, पूर्व जेडीए मेंबर आकस्मिक निधन पर माली सैनी संदेश परिवार ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें।

आदरणीय

श्री अजित सिंह गहलोत

श्री सुमेर स्कूल निदेशक मंडल के उप सचिव और हरिद्वार धर्मशाला के मनोनीत ट्रस्टी के आकस्मिक निधन पर हम सभी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उनके आत्मा की शांति प्रदान करने की प्रार्थना करते है ईश्वर पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान दे एवं परिजनों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

विनम्र

श्रद्धांजली

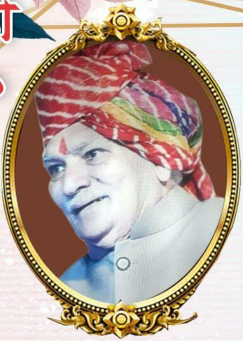

माली समाज के वरिष्ठ व्यक्तित्व परम आदरणीय

श्री प्रतापसिंह गहलोत

का देवलोकगमन होना समाज के अपूर्णीय क्षति हैं, जिसकों भर पाना असंभव हैं।
आप ही के सार्थक प्रयासों व दूरदृष्टि से बहु प्रतियोगी प्रशिक्षण संस्थान, महामंदिर के माध्यम से
समाज के हजारों युवाओ को बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार मिला हैं,
इसी संस्थान से अभिप्रेरित पूरे भारत वर्ष में समाज के अनेकों संस्थान समाज के युवाओं
को प्रतियोगी परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी करवा कर रोजगार उन्मुख करवा रहे हैं।
आपकी अन्यन्य सोच, दिव्य दृष्टि व आपके द्वारा किये गए
अनुकरणीय कार्य हमेशा अमर रहेंगे ।

माली सैनी संदेश परिवार

ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति
के लिए प्रार्थना करता हैं।

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR